॥ श्री जगन्नाथ जी की आरती ॥

Chalisamantras.com

आरती श्री जगन्नाथ मंगलकारी,

परसत चरणारविन्द आपदा हरी ।

निरखत मुखारविंद आपदा हरी,

कंचन धूप ध्यान ज्योति जगमगी ।

अग्नि कुण्डल घृत पाव सथरी ।
आरती श्री जगन्नाथ मंगलकारी...

देवन द्वारे ठाड़े रोहिणी खड़ी,

मारकण्डे श्वेत गंगा आन करी ।

गरुड़ खम्भ सिंह पौर यात्री जुड़ी,

यात्री की भीड़ बहुत बेंत की छड़ी ।
आरती श्री जगन्नाथ मंगलकारी...

धन्य-धन्य सूरश्याम आज की घड़ी ।
आरती श्री जगन्नाथ मंगलकारी...

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com